Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Scheme for Theory Based Subjects

Guidelines for Scheme of examination of UG Course Hindi (Compulsory) (under semester system)

The Scheme of Examination of undergraduate (UG) Courses under Faculty of Humanities & Social Sciences run by affiliated degree colleges will be under 80: 20 (external: internal) for theory based courses. Pass percentage will be ……..

For the UG courses under Faculty of Humanities & Social Sciences, the guidelines regarding scheme and paper setting will be followed as:

For the end semester examinations, five questions are to be set by the examiner. The candidates shall attempt all five questions. First question will be compulsory of 20 marks based on the entire syllabus. It will comprise of ten short answer type questions of two marks each. Students are required to attempt rest four questions in which internal choice will be available. All remaining four questions shall carry equal marks i.e. 15 each.
Scheme: 80:20 (external: internal)
1st question=20 marks (10 short answer type questions of two marks each)
Rest four questions: 15 marks each i.e. 4 x 15=60
Total = (20+60) + 20 = 100 marks

Components of Internal Assessment (Breakdown of 20 marks)	
(a)	Class Test: 5 marks
(b)	Assignment: 5 marks
(c)	Participation in Class Discussions: 3 marks
(d)	Term Paper/written test/2nd assignment: 5 marks
(e)	Attendance: 2 marks*

*Weightage of 2 marks for **Attendance** component out of 20 marks for Internal Assessment shall be available only to those students who attend **75% and more** of classroom lectures. The break-up of marks for **attendance component** for theory papers shall be as under:

(a) 75% and above up to 85%: 1 mark

(b) Above 85%: 2 marks

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

HIC 101: हिन्दी अनिवार्य

समय 3 घण्टे

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

- ☐ मध्यकालीन काव्य कुंज
- ☐ हिन्दी साहित्य का आदिकाल
- ☐ काव्य शास्त्र पर आधारित विषय
- ☐ वस्तुनिष्ठ :–
- ☐ पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि :– कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, मीराँबाई, बिहारीलाल, घनानन्द, रसखान।
- ☐ पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों की सप्रसंग व्याख्या एवं साहित्यिक परिचय पर परीक्षार्थियों से प्रश्न पूछे जाएंगे।
- ☐ आलोचनात्मक प्रश्न :– पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के अनुभूतिगत वैशिष्टय तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएंगे।
- ☐ हिन्दी साहित्य का आदिकाल :–

1. हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन परम्परा।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन।
3. आदिकाल का नामकरण।
4. आदिकाल की परिस्थितियाँ।
5. रासों काव्य परम्परा और प्रवृतियाँ।
6. सिद्ध साहित्य परम्परा और प्रवृतियाँ।
7. नाथ साहित्य परम्परा और प्रवृतियाँ।
8. जैन साहित्य परम्परा और प्रवृतियाँ।

- ☐ काव्य शास्त्र पर आधारित विषय :–

1. काव्य के तत्व।
2. रस का स्वरूप, अवयव।
3. रस के भेद।
4. रस निष्पति।
5. काव्यगुण :– प्रसाद, माधुर्य, ओज।
6. शब्द शक्तियाँ :– अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

7. अलंकार :– अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति।
8. छन्द :– दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियां, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी।

पाठ्यक्रम निर्देश और अंक विभाजन

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक होगें। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को 10 से 15 शब्दों में इसका उत्तर लिखना होगा।

2.(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक मध्यकालीन काव्य कुंज से व्याख्या के लिए चार प्रद्यांश दिये जाएंगे। परीक्षार्थियों को 2 प्रद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों में से 2 का परिचय दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। यह प्रश्न 5 अंक का होगा।

3.(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक से 2 आलोचनात्मक प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। इसके लिए निर्धारित अंक 7 होंगे।

(ख) परीक्षार्थियों को 4 लघुतरी प्रश्नों में से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके प्रश्न के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4.(क) आदिकाल पर आधारित 2 प्रश्नों में से परीक्षार्थियों को 1 प्रश्न का उत्तर देना होगा। जिसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

(ख) आदिकाल पर आधारित 4 लघुतरी प्रश्न पूछे जाएगे। परीक्षार्थियों को 2 प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक होंगे। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5.(क) काव्यशास्त्र पर आधारित 2 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों का 1 का उत्तर लिखना होगा इसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

(ख) इस प्रश्न में काव्यशास्त्र पर आधारित 4 लघुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को 2 प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

HIC 102: हिन्दी अनिवार्य

समय 3 घण्टे

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन :–

- ☐ ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जय शंकर प्रसाद।
- ☐ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल।
- ☐ व्यावहारिक हिन्दी।
- ☐ वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

☐ ध्रुवस्वामिनी (नाटक) से आलोचनात्मक प्रश्न :–

1. ध्रुवस्वामिनी नाटक का प्रतिपाद्य।
2. ध्रुवस्वामिनी नाटक की पात्र योजना।
3. ध्रुवस्वामिनी नाटक की अभिनेयता।
4. ध्रुवस्वामिनी नाटक की संवाद योजना।
5. ध्रुवस्वामिनी नाटक की भाषा शैली।
6. ध्रुवस्वामिनी नाटक का उद्देश्य।

☐ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

1. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ।
2. संत काव्य की प्रवृतियाँ।
3. सूफी काव्य की प्रवतियाँ।
4. राम काव्य की प्रवृतियाँ।
5. कृष्ण काव्य की प्रवृतियाँ।
6. भक्तिकाल : स्वर्णयुग।

☐ व्यवहारिक हिन्दी:–

1. भाषा की परिभाषा।
2. भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राष्ट्र भाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा।
3. मानक भाषा की प्रमुख प्रवृतियाँ।
4. हिन्दी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन।
5. हिन्दी वर्तनी समस्या और समाधान।
6. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ।

पाठ्यक्रम निर्देश एवं अंक विभाजन

1. सम्पूर्ण निर्धारित पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक होंगे। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं दिया जायेगा। प्रश्न का उत्तर 10 से 15 शब्दों में देना होगा।

2.(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक से 4 अवतरण व्याख्या के लिए दिये जाएंगे इनमें से किन्ही दो की व्याख्या परीक्षार्थियों को करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक और पूरे प्रश्न के लिए 10 अंक होंगे।

(ख) ध्रुवस्वामिनी के नाटककार का परिचय, विशेषताएं, नाटय कला और योगदान पर 2 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को 1 प्रश्न का उत्तर देना होगा। इस प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 5 होंगे।

3.(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्क प्रश्नों में से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 1 प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

(ख) निर्धारित पाठय पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से 4 लधुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें से किन्हीं 2 के उत्तर परीक्षार्थियों को लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4.(क) भक्ति काल पर आधारित 2 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को 1 प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इसके लिए 7 अंक होंगे।

(ख) भक्तिकाल पर आधारित 4 लधुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5.(क) व्यावहारिक हिन्दी पर आधारित पाठ्यक्रम से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को 1 का उत्तर लिखना होगा। इसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

(ख) व्यावहारिक हिन्दी पर आधारित 4 लधुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को इनमे से किन्ही दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Scheme for Theory Based Subjects

Guidelines for Scheme of examination of UG Course Hindi (Elective) (under semester system)

The Scheme of Examination of undergraduate (UG) Courses under Faculty of Humanities & Social Sciences run by affiliated degree colleges will be under 80: 20 (external: internal) for theory based courses. Pass percentage will be ……..

For the UG courses under Faculty of Humanities & Social Sciences, the guidelines regarding scheme and paper setting will be followed as:

For the end semester examinations, five questions are to be set by the examiner. The candidates shall attempt all five questions. First question will be compulsory of 20 marks based on the entire syllabus. It will comprise of ten short answer type questions of two marks each. Students are required to attempt rest four questions in which internal choice will be available. All remaining four questions shall carry equal marks i.e. 15 each.
Scheme: 80:20 (external: internal)
1st question=20 marks (10 short answer type questions of two marks each)
Rest four questions: 15 marks each i.e. 4 x 15=60
Total = (20+60) + 20 = 100 marks

Components of Internal Assessment (Breakdown of 20 marks)	
(a)	Class Test: 5 marks
(b)	Assignment: 5 marks
(c)	Participation in Class Discussions: 3 marks
(d)	Term Paper/written test/2nd assignment: 5 marks
(e)	Attendance: 2 marks*

*Weightage of 2 marks for **Attendance** component out of 20 marks for Internal Assessment shall be available only to those students who attend **75% and more** of classroom lectures. The break-up of marks for **attendance component** for theory papers shall be as under:

(a) 75% and above up to 85%: 1 mark

(b) Above 85%: 2 marks

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

HIE 101: हिन्दी ऐच्छिक

समय 3 घण्टे

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

- ☐ कुरूक्षेत्र (षष्ठसर्ग) : रामधारी सिंह दिनकर
- ☐ हानूश (नाटक) : भीषम साहनी
- ☐ हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल
- ☐ कुरूक्षेत्र, हानूश और आदिकाल पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
- ☐ कुरूक्षेत्र (षष्ठसर्ग) पर आधारित व्याख्या :–
- ☐ कुरूक्षेत्र पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।
- ☐ कुरूक्षेत्र की मूल संवेदना।
- ☐ कुरूक्षेत्र की पात्र योजना।
- ☐ कुरूक्षेत्र का काव्य रूप।
- ☐ कुरूक्षेत्र के नामकरण की सार्थकता।
- ☐ दिनकर की काव्यकला।
- ☐ हानूश नाटक पर आधारित व्याख्या।
- ☐ हानूश नाटक पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न :–
- ☐ हानूश नाटक का उद्‌देश्य।
- ☐ हानूश नाटक की पात्र योजना।
- ☐ हानूश नाटक के नामकरण की सार्थकता।
- ☐ रंगमंच की दृष्टि से हानूश का मूल्यांकन।
- ☐ भीष्म साहनी की नाट्‌यकला।
- ☐ पाठ्‌य पुस्तक कुरूक्षेत्र और हानूश पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से लधुतरी प्रश्न।
- ☐ हिन्दी साहित्य के आदिकाल पर आधारित पर प्रश्न :–
- ☐ हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा।
- ☐ आदिकाल का नामकरण।
- ☐ आदिकाल की परिस्थितियाँ।
- ☐ आदिकाल की सामान्य प्रवृतियाँ।
- ☐ रासो काव्य परम्परा।
- ☐ पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।

☐ विद्यापति व अमीर खुसरों का साहित्यिक परिचय।

पाठ्यक्रम निर्देश एवं अंक विभाजन

1. प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा। पूरे पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। जो 2–2 अंक के होंगे। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को प्रश्न का उत्तर 10 से 15 शब्दों में देना होगा।

2.(क) पाठ्य पुस्तक कुरूक्षेत्र के छटे सर्ग से व्याख्या के लिए 4 अवतरण दिये जाएंगे परीक्षार्थियों को किन्हीं 2 की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक और पूरे प्रश्न के लिए 8 अंक होंगे।

(ख) निर्धारित पाठ्य पुस्तक कुरूक्षेत्र के आलोचनात्मक प्रश्नों में से 2 प्रश्न पूछे जायेगें। परीक्षार्थियों को एक का उत्तर लिखना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

3.(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक हानूश से व्याख्या के लिए 4 अवतरण दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को किन्ही 2 की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक होंगे और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

(ख) नाटक हानूश से 2 आलोचनात्मक प्रश्न दिए जाएगे। परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

4. पाठ्य पुस्तक कुरूक्षेत्र एवं हानूश में से 6 लधुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को 3 प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक और पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

5.(क) आदिकाल से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों ने एक का उत्तर लिखना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

(ख) आदिकाल से 4 लधुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को 2 प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

HIE 102: हिन्दी ऐच्छिक

समय 3 घण्टे

कुल अंक 100

लिखित परीक्षा 80 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

- निर्धारित पाठ्यक्रम :–
- प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य : डॉ० पूरनचन्द टंडन, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली
- निर्मला (उपन्यास) : प्रेमचन्द।
- हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
- पाठ्य पुस्तक से निर्धारित कवि :–
- कबीरदास :– प्रथम 30 दोहे।
- जायसी :– सभी पद।
- सूरदास :– भ्रमरगीत पद संख्या 1 से 4,6,9,12

  गोकूल लीला पद संख्या 1,3,6,8,10 (कुल पद 12)
- तुलसीदास :– पुस्तक में संकलित विनयपत्रिका एवं दोहावली से ग्रहित अंश।
- मीराँबाई :– पद संख्या 1 से 5 16,17,20,23,25 (कुल पद 10)
- बिहारी :– शृंगारिक दोहे 1 से 25
- घनानन्द :– प्रथम 8 कवित्त
- प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य :– पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :–
- कबीर की प्रासंगिकता।
- जायसी का विरह वर्णन।
- सूरदास का वात्सल्य वर्णन।
- शृंगार वर्णन।
- तुलसीदास का समन्वयवाद।
- मीराँबाई की प्रेम साधना।

- बिहारी की बहुज्ञता।
- घनानन्द का वियोग वर्णन।
- सभी कवियों का साहित्यिक परिचय।
- निर्मला (उपन्यास) पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :–
- निर्मला उपन्यास का प्रतिपाद्य।
- निर्मला की पात्र योजना।
- निर्मला नामकरण की सार्थकता।
- प्रेमचन्द युगीन सामाजिक परिवेश।
- उपन्यास प्रेमचन्द का साहित्यिक परिचय।
- हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल निर्धारित पाठ्यक्रम :–
- भक्ति : उद्भव और विकास।
- भक्तिकाल की परिस्थितियाँ।
- सन्तकाव्य की प्रवृतियाँ।
- सूफी काव्य की प्रवृतियाँ।
- राम काव्य की प्रवृतियाँ।
- कृष्ण काव्य की प्रवृतियाँ।
- अष्टछाप और उसका महत्व।
- भक्तिकाल : स्वर्ण युग।

निर्धारित पाठ्यक्रम का अंक विभाजन

1. पहला प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा। निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 2–2 अंक के 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को 10 से 15 शब्दों में उत्तर देना होगा।

2.(क) यह प्रश्न व्याख्या पर आधारित होगा। पाठ्य पुस्तक से 4 अवतरण दिए जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

(ख) पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से 2 प्रश्न दिए जाएगे। परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह 7 अंक का होगा।

3.(क) उपन्यास निर्मला से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिये जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थियों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

(ख) उपन्यास निर्मला के आलोचनात्मक प्रश्नों में से 2 प्रश्न दिए जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

4. पाठ्य पुस्तक प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उपन्यास निर्मला से 6 लघुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को उनमें से 3 प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक होंगे और पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

5.(क) भक्तिकाल पर आधारित 2 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को 1 प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

(ख) भक्तिकाल पर आधारित 4 लधुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को किन्ही 2 के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।